गहलोत के गृह नगर जोधपुर में गरजे सचिन पायलट

अ.भा. कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट ने भजनलाल सरकार पर हमला बोला

- जोधपुर रेलवे स्टेशन पर और सर्किट हाउस पर पायलट के स्वागत के दौरान गहलोत खेमा गायब दिखा
- जोधपुर में इतनी दुष्कर्म की घटनाएं हुई हैं, जिससे लॉ एंड आर्डर पूरी तरह से बिखर गया है : पायलट

जोधपुर, (कासं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट एक दिवसीय यात्रा पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गृह नगर जोधपुर पहुंचे। जोधपुर आगमन पर उनके समर्थकों ने रेलवे स्टेशन पर नारेबाजी कर स्वागत किया। सर्किट हाउस में स्वागत के दौरान उन्हें 51 किलो की माला पहनाई गई। रेलवे स्टेशन तथा सर्किट हाउस में कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग द्वारा सचिन पायलट का जोधपुर आगमन पर सवेरे नौ बजे जोधपुर रेलवे स्टेशन पर और उसके बाद 10:30 बजे सर्किट हाउस पर स्वागत किया गया लेकिन स्वागत की कड़ी में गहलोत खेमा गायब दिखा। सर्किट हाऊस में कई कांग्रेसी नेताओं ने सचिन से मुलाकात की। जोधपुर सर्किट हाउस में मीडियाकर्मियों से बातचीत करते उन्होंने प्रदेश की भजनलाल सरकार पर जमकर हमला बोला। पायलट ने कहा कि भजनलाल सरकार में कई पावर सेंटर बन गए हैं, संगठन कुछ बोलता है, सरकार कुछ बोलती है। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद के बयान पर कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि भाजपा का एक ही मुद्दा है, जब वे 400 की जगह 240 पर आकर अटक गए तो वे अब सिर्फ राहुल गांधी को टारगेट कर रहे हैं। विधानसभा के चुनाव चल रहे हैं और जनता का रुख कांग्रेस की ओर है इसलिए भाजपा के अंदर चिंता है। इस देश में कई ऐसे लोग हैं जिन्हें सरकार की सहायता की ज़रूरत है। आप (केंद्र सरकार) 80 करोड़ लोगों को मुफ्त में राशन देते हैं और अगर विपक्ष कहता है कि हम किसानों-गरीबों की मदद करना चाहते हैं तो आप उसे रेवड़ी कहते हैं। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि आप खुद दें तो सही है और कोई दूसरा बोले तो ग़लत है, यह दोहरा मापदंड सही नहीं है। बेरोजगारी देश का सबसे ज्वलंत मुद्दा है। जनता में गहरा असंतोष है।

प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में पायलट ने कहा कि, जोधपुर में इतनी दुष्कर्म की घटनाएं हुई हैं, जिससे लॉ एंड आर्डर पूरी तरह से बिखर गया है। हर जिले में असामाजिक तत्व पांव पसार रहे हैं। सरकार में मल्टीपल पावर सेंटर बन गए हैं। उन्होंने कहा कि, किसी को पता नहीं है कि वो मंत्री है या नहीं, सरकार कुछ बोलती है, संगठन कुछ बोलता है। बहुत जल्द ही सरकार में बिखराव हो गया। इसका नुकसान जनता को उठाना पड़ रहा है, जिन कामों के वर्क आर्डर हमारी सरकार देकर गई थी, वो भी पूरे नहीं हो सके। पूरी तरह से सरकार विफल हो चुकी है।

सीएम भजनलाल के न्यायालय की अनुमति के बिना विदेश जाने के सवाल पर पायलट ने कहा कि, यह कानूनी मामला है, ऐसे में मैं यह जानता हूं कि प्रदेश में जनता के कार्य प्राथमिकता होना चाहिए। शिक्षा, चिकित्सा, शहरी व ग्रामीण विकास अगर नहीं हो रहा है तो यह प्रबंधन की इच्छा शक्ति की कमी और ब्यूरोक्रेसी पर अपना प्रभाव रखने की कमी सरकार में मुझे नजर आ रही है। पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार एक देश एक चुनाव का नारा दे रही थी, लेकिन चार राज्यों का चुनाव एक साथ नहीं करवा पा रही है। हरियाणा और कश्मीर में चुनाव प्रचार शुरू हो गया है। भाजपा की दस साल की हरियाणा की सरकार का जाना तय है। दोनों जगह हमारी सरकार बनेगी। जम्मू-कश्मीर में हम गठबंधन के साथ हैं। पायलट ने कहा कि राहुल गांधी के नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद अब संसद के मुद्दे विपक्ष तय कर रहा है. सरकार को कई मुद्दों पर बैकफुट पर आना पड़ा है।

आरपीएससी भंग करने की पायलट की मांग पर किरोड़ीलाल मीणा के बयान पर उन्होंने कहा कि अगर सरकार की इच्छाशक्ति हो तो भंग किया जा सकता है। चुनाव से पहले तो बड़ी-बड़ी बातें किया करते थे, लेकिन जब आरपीएससी भंग करने की बात आती है तो हर कोई किनारा कर रहा है। आरपीएससी पर लोगों का अब विश्वास नहीं रहा। फोन टैपिंग मामले में पायलट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के बारे मे सरकार जाने वही बता सकती है। वन स्टेट-वन इलेक्शन पर पायलट ने कहा कि चुनाव एक साथ कैसे संभव हो सकता है। भाजपा जब भी आती है कोई ना कोई शिगूफा छोड़ देती है। उन्होंने कहा कि सरकार कौन चला रहा है, कुछ समझ नहीं आ रहा है। कभी कोई नेता कुछ कह जाता है तो कभी कोई। सरकार में आपसी तालमेल नहीं है। इस वजह से बेतुके बयान सामने आ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास ठप पड़ा है। जिन कामों के हम टेंडर देकर गए थे, उनका काम भी ये नहीं करवा पा रहे हैं।

प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर पायलट ने कहा कि प्रदेश के हालातों पर जनता परेशान हो रही है। कानून व्यवस्था बिगड़ रही है और सरकार का कोई इसका वास्ता तक नहीं। प्रत्येक जिले में कानून व्यवस्था बिगड़ी हुई है। बच्चियों के साथ दुर्व्यवहार हो रहा है, लेकिन कानून का शिकंजा कसने के बजाय आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति करती है। पश्चिम बंगाल की ममता सरकार पर बढ़ते दबाव से पायलट ने किनारा करते हुए कहा कि ममता सरकार को कांग्रेस का साथ नहीं है। दुष्कर्म जैसी घटनाओं पर सरकार को कठोर कानून बनना चाहिए और सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। पायलट ने कहा कि हरियाणा और जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रचंड बहुमत से जीतेगी। भाजपा की नीतियों से जनता ऊब चुकी है,जनता अब कांग्रेस को बहुमत देगी।

खेजड़ली स्थित 363 शहीदों के बलिदान स्थल पर मेला लगा

मेले में पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी सहित कई जनप्रतिनिधि भी पहुंचे

- जोधपुर और आसपास के जिलों के अलावा मध्य प्रदेश, पंजाब और हरियाणा से भी समाज के लोग पहुंचे

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के खेजड़ली स्थित 363 शहीदों के बलिदान स्थल पर शुक्रवार को मेले का आयोजन हुआ। इस मेले में जोधपुर और आसपास के विभिन्न जिलों के अलावा मध्य प्रदेश, पंजाब और हरियाणा राज्यों से भी समाज के लोग पहुंचे और शहीद स्थल पर पहुंच कर शहीदों को नमन किया। इसके बाद हवन कुंड में आहुतियां देकर परिक्रमा की। मेले में शामिल होने के लिए पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी सहित कई जनप्रतिनिधि भी पहुंचे और शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

मेले को लेकर लोगों में अपार उत्साह नजर आया। सुबह से ही समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा पहनकर खेजड़ली धाम पहुंचना शुरू हुए। यहां हवन कुंड में नारियल की आहुति देकर पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीवों की रक्षा करने का संकल्प लिया। समाज के लोगों ने गुरु जंभेश्वर के नवनिर्मित मंदिर में मत्था टेककर उनके बताए मार्गों पर चलने का आव्हान किया। मेले के चलते जोधपुर के गुढ़ा रोड पर वाहनों की भारी भीड़ नजर आई। करीब दो किलोमीटर तक वाहनों का जाम लग गया। मेले में आए लोगों ने हवन कुंड की परिक्रमा भी की। शहीदी स्थल पर सुबह ध्वजारोहण किया गया। इसके बाद खुला अधिवेशन भी रखा गया। जिसमें बड़ी संख्या में समाज के पर्यावरणप्रेमी शामिल हुए। यहां पर पिछले सात दिन से कार्यक्रम चल रहे थे। गुरुवार को मंदिर प्रतिष्ठा का कार्यक्रम हुआ था। मेले में शामिल होने आई महिलाओं ने लाखों रुपए कीमत के गहने भी पहने। बच्चों बूढ़ों, महिलाओं सभी में अपार उत्साह नजर आई।

सरप्लस 37 हजार शिक्षकों का समायोजन फिर अटका

- माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने शिक्षा विभाग में बड़ी तादाद में अधिशेष चल रहे शिक्षक और कर्मचारियों के समायोजन के आदेश पर रोक लगाई

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग के विभिन्न स्कूलों में सरप्लस चल रहे 37 हजार शिक्षकों का समायोजन एक बार फिर अटक गया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने शिक्षा विभाग में बड़ी तादाद में अधिशेष चल रहे शिक्षक और कर्मचारियों के समायोजन के आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी है। इसके साथ ही अधिशेष शिक्षकों और कार्मिकों की जिलेवार सूचना एक अलग फॉर्मेट में दोबारा मांगी गई है। सभी जिलों को यह सूचना तुरंत भेजनी है। यह लिस्ट शिक्षा निदेशालय पहुंचने के बाद पता चलेगा कि राजस्थान में कहां, कितने, किस ग्रेड के शिक्षक व कार्मिक सरप्लस है। इसके बाद में नए सिरे से समायोजन की तिथि व कार्यक्रम घोषित किया जाएगा।

शिक्षा निदेशक ने राज्य के सभी संयुक्त निदेशक और जिला शिक्षा अधिकारियों को भेजे पत्र में सरप्लस शिक्षक और कर्मचारियों की सूचना मांगी है इसके लिए बाकायदा एक फॉर्मेट भी जारी किया गया है इस फॉर्मेट में सरप्लस शिक्षकों के नाम, कर्मचारी आईडी, सब्जेक्ट, कार्यस्थल, जिला अधिशेष होने की तिथि आदि के संबंध में पूछा गया है।

शिक्षा विभाग में स्कूल क्रमोन्नत होने और महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम में बदलाव होने से लगभग 37 हजार शिक्षक कार्मिक अधिशेष हो गए हैं। इन शिक्षकों का रिक्त पदों पर समायोजन पिछले डेढ़ साल से नहीं हो सकता है। पिछले महीने शिक्षा विभाग ने आदेश जारी किए थे बाद में रोक लगा दी गई। इसके बाद 9 सितंबर को प्रारंभिक और माध्यमिक दोनों शिक्षा निदेशकों के संयुक्त हस्ताक्षर से जारी आदेश में 26 सितंबर तक सरप्लस शिक्षकों के समायोजन के निर्देश दिए गए। 12 सितंबर को माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने आदेश जारी कर इस प्रक्रिया को आगामी आदेश तक फिर रोक दिया है।

महेंद्र पांडे, मुख्य महामंत्री, प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ ने बताया कि 37 हजार सरप्लस शिक्षकों का समायोजन नहीं होने से स्कूलों में शिक्षण व्यवस्था बिगड़ी हुई है। शाला दर्पण पोर्टल पर सारी सूचनाएं अपडेट है। बावजूद इसके रिक्त पदों की सूचना बार-बार मंगवाई जा रही है। समायोजन में विलंब का संगठन विरोध करता है।

श्रवण पुरोहित, प्रदेश मंत्री, राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत का कहना है कि पूर्व तैयारी के अधिशेष शिक्षकों का समायोजन सम्भव नहीं हो सकता। विभाग को क्रमबद्ध रूप से पदोन्नति का कार्य पूर्ण कर, विकल्प के आधार पर सेटअप परिवर्तन करने के बाद अधिशेष शिक्षकों का समायोजन करना चाहिए। जो शिक्षक और विभाग दोनों के हित में होगा।

38 लाख के नकली नोट सहित उपकरण बरामद, सात गिरफ्तार

- मुख्य आरोपी ने बताया कि जब्त नकदी बाजार में चलाने का प्लान तैयार किया जाना था

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान एक मकान पर दबीश देकर अड़तीस लाख के नकली नोटों का जखीरा व उपकरण बरामद कर सात आरोपियों को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने बताया कि 12 सितंबर को प्रतापनगर थाने के कांस्टेबल बनवारीलाल एवं शंकरलाल के माध्यम से थानाधिकारी भरत योगी को सूचना मिली कि देबारी वैशाली नगर में प्रकाश लखारा निवासी कानोड़ के मकान में फर्जी नोट बनाने का कारोबार चल रहा है, जहां रहने वाले रोनक रातलिया, राहुल लौहार व साथी काम करते हैं जो कभी भी भाग सकते हैं।

इस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक छगनपुरोहित के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी भरत योगी पुलिस दल ने मौके पर दबीश देकर वहां मौजूद राहुल लौहार, रोनक जैन व विधि से संघर्षरत एक बाल अपचारी के कब्जे से 26 लाख 50 हजार रूपये की जाली नोट व जाली नोट बनाने के उपकरण जब्त कर राहुल लौहार पुत्र राजमल लौहार निवासी सरवानिया थाना कानोड़, रोनक रातलिया पुत्र भगवतीलाल रातलिया निवासी नया बाजार कानोड़ व अजय भारती पुत्र बाबू भारती निवासी संगेसरा थाना मंगलवाड़ चित्तौड़गढ़ को गिरफ्तार किया। इधर आरोपियों से की गई पूछताछ में मिले साक्ष्यों के आधार पर अनुसंधान अधिकारी सविना थानाधिकारी अजय सिंह राव के नेतृत्व में गठित दल ने लखन उर्फ कालु पुत्र छगनलाल मालवीय निवासी नान्दलेटा पिपलोदा रतलाम एमपी, समीर मंसुरी पुत्र सलीम मंसुरी, शहजाद शाह पुत्र अकबर शाह फकीर निवासी नांदलेटा पिपलोदा रजलाम एमवी, बबलु उर्फ समीर जाट पुत्र गणेश जाट निवासी चारभुजा मंदिर के पास मलाण सुभाषनगर को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से 500-500 के जाली नोट 10 लाख 20 हजार रूपये बरामद किए।

पूछताछ में मुख्य आरोपी राहूल ने बताया कि जल्द पैसे वाला बनने के लिए मर्चेन्ट नेवी में नौकरी करने की झूठी बात घर वालों बताई थी। इस काम के लिए गणेशलाल चौधरी निवासी भीलवाड़ा से पहचान हुई। जिसके साथ मिल कर नकली नोट बनाने का प्लान तैयार कर प्रिंटिंग मशीन, रंगीन प्रिंटर, बैंक नोट पेपर की शीट, नोट काटने का कटर मंगवाये तथा रोनक जैन के किराये के मकान में सेटअप लगा कर काम शुरू किया। मौके से जब्त नकदी बाजार में चलाने का प्लान तैयार किया जाना था। इसके लिए राहुल ने अपनी योजना में रोनक, अजय भारती, बबलु, शहजाद समीर मंसुरी व लखन को शामिल गया। प्रायोजित तौर पर देबारी स्थित मित्र के मकान पर रखकर बाजार में चलाने एवं नोट बनाने की योजना थी। राहुल ने बताया कि इससे पूर्व साथियों के साथ मिल कर कानोड़ के नामी डॉक्टर का किडनेप करने की फिराक में था।

महिला उपजिला कलेक्टर व महिला के बीच झड़प

- महिला उपजिला कलेक्टर के महिला ने बाल खींचे
- खातेदारी जमीन पर बने धर्मकांटे को हटाने गई थी महिला उपजिला कलेक्टर
- गंगापुर सिटी जिले के टोडाभीम इलाके के नाद गांव का मामला

महिला उप जिला कलेक्टर के बाल पकडकर उलझती एक ग्रामीण महिला।

करौली, (निसं)। खातेदारी जमीन पर बने धर्मकांटे को हटाने गई महिला उप जिला कलेक्टर और एक महिला के बीच झड़प हो गई। इस दौरान महिला ने उप जिला कलेक्टर के बाल खींच लिए। मामला गंगापुर सिटी जिले के टोडाभीम इलाके के नाद गांव का है। प्रशासन धर्मकांटे को नियमों के खिलाफ बताकर गुरुवार को शाम करीब चार बजे कार्रवाई करने गया था।

अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के दौरान ही प्रशासन और मौके पर मौजूद लोगों के बीच झड़प हो गई। इस दौरान एक महिला उप जिला कलेक्टर से उलझ गई और उनके बाल खींच लिए। हालांकि मामले को लेकर किसी भी पक्ष ने रिपोर्ट नहीं दी है। वीडियो सामने आने के बाद टोडाभीम उप जिला कलेक्टर सुनीता मीणा ने बताया कि प्रशासन गांव में अतिक्रमण हटाने गया था। इस दौरान लोगों ने विरोध किया तो आपस में कहासुनी हो गई। इस बात को तूल नहीं दिया जाए। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि प्रशासन जिसे अतिक्रमण बताकर कार्यवाही करने पहुंचा है वह खातेदारी कि जमीन है। जो वीडियो लगातार सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है उसमें उप जिला कलेक्टर मीना पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर दिख रही हैं। कार्यवाही के दौरान उनकी वहां मौजूद लोगों से झड़प हो जाती है। इसी दौरान एक बुजुर्ग जेसीबी मशीन की ओर बढ़ता है तो उसे उप जिला कलेक्टर धक्का देते दिखाई देती हैं। इसके बाद विवाद बढ़ जाता है और मौके पर मौजूद एक महिला उप जिला कलेक्टर से झगड़ा करते हुए उनके बाल खींचने लगती है जिस पर पुलिसकर्मियों ने दोनों को अलग किया।

जानकारी के अनुसार टोडाभीम उप जिला कलेक्टर सुनीता मीणा का तबादला हाल ही में आई आरएएस की ट्रांसफर लिस्ट में सुनीता मीणा का टोडाभीम से तबादला हो गया है। उनकी जगह बारां में पदस्थापित पूजा मीणा टोडाभीम की नई उप जिला कलेक्टर बनी है। पूजा के चार्ज नहीं लेने के कारण अभी भी सुनीता मीणा यहां का पदभार संभाल रही है। इधर तहसीलदार ने मामले में कोई भी बयान देने से इनकार किया है।

करंट से दो की मौत

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती मथानिया के भैसेर कोतवाली गांव में करंट लगने से दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। इस बारे में पुलिस ने मर्ग दर्ज किया और शवों को कार्रवाई के उपरांत परिजन के सुपुर्द किया। मथानिया पुलिस ने बताया कि भैसेर कोतवाली में रहने वाला 36 साल का पुखराज पुत्र श्रवण कुमार अपने खेत पर लगी विद्युत डीपी के अर्थ में पानी भर रहा था। तब उसे अचानक से करंट लगा और वह चिल्लाने लगा। इस पर उसके घर मिलने आया रिनिया मथानिया निवासी गोरखराम पुत्र सांवताराम जाट उसे बचाने का जतन करने लगा। मगर वह उसे बचा नहीं पाया और खुद भी करंट की चपेट में आ गया। इससे दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। परिजन को पता लगने पर मुख्य लाइन को बंद कर उन्हें अस्पताल पहुंचाया, मगर डॉक्टर ने दोनों को मृत बता दिया। इस बारे में मृतक पुखराज के चचेरे भाई मुराली पुत्र मदनलाल ने मर्ग में रिपोर्ट दी है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी जोधपुर पहुंची

- दिया कुमारी ने खेजड़ली शहीदी मेले एवं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में भाग लिया

जोधपुर, (कासं)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी शुक्रवार को संक्षिप्त यात्रा पर जोधपुर पहुंची। उप मुख्यमंत्री दोपहर बारह बजे जोधपुर एयरपोर्ट पहुंची जहां भाजपा कार्यकर्ताओं तथा अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद जोधपुर एयरपोर्ट से खेजड़ली शहीदी मेला स्थल के लिए रवाना हो गई।

इसके बाद दिया कुमारी ने खेजड़ली शहीदी राष्ट्रीय स्थल, जोधपुर में आयोजित शहीदी मेले एवं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में भाग लिया। वे खेजड़ली शहीदी स्थल से दोपहर जोधपुर पहुंची तथा सूरसागर विधायक देवेन्द्र जोशी के निवास पर जाकर जोशी की माताजी राधा देवी जोशी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उप मुख्यमंत्री ने शोक सभा में पहुंचकर राधा देवी जोशी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनको नमन किया एवं शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना दी। पत्रकारों से बातचीत करते राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में लगातार रेल दुर्घटनाएं कारित करने के प्रयास हो रहे हैं। इन घटनाओं पर नजर रखी जा रही है और हमारे मंत्री भी जागरुक और सजग है। ऐसी घटनाओं की पूरी जांच होगी दोषियों को बक्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के कई जिलों में लगातार रेल दुर्घटना करने के उद्देश्य से रेल की पटरियों पर कभी एक क्विंटल का सीमेंट का ब्लॉक रख दिया जाता है तो कभी पत्थर रखकर ऐसे प्रयास किया जा रहे हैं। ऐसे में सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती रेल पटरियों पर निगरानी रखने की है।

नाडी में डूबने से दो सगे भाइयों समेत तीन छात्रों की मौत

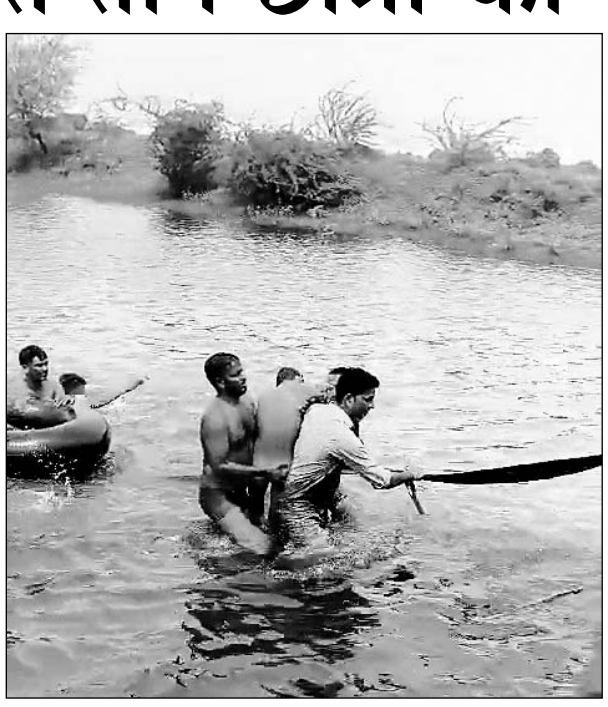

एसडीएम और थाना प्रभारी ने मौके पहुंच रेस्क्यू टीम के साथ तीनों बच्चों के शव को बाहर निकाला।

- तीनों बच्चे दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलने गए थे, खेल खत्म होने के बाद नाडी में नहाने उतरे और डूब गये
- मृतकों में हेमेंद्र और लोकेंद्र दोनों सगे भाई थे, जो कक्षा दसवीं व नवीं में पढ़ते थे, दोनों भाइयों के जाने के बाद सिर्फ बड़ी बहन बची है

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के गुलाबपुरा थाना क्षेत्र स्थित हुरड़ा के निकट नाडी में डूबने से दो सगे भाई समेत तीन छात्रों की मौत हो गई। तीनों बच्चे दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलने गए थे। खेल खत्म होने के बाद नाडी में नहाने उतरे और डूबने से उनकी मौत हो गई।

गुलाबपुरा थाना प्रभारी पूरणमल ने बताया हुरड़ा आगूचा मार्ग पर स्थित अंबेडकर छात्रावास के पीछे बराली नाडी है, जिसमें बारिश का पानी भरा हुआ था। नाडी के पास ही खेल मैदान है, जहां तीनों बच्चे दूसरे साथियों के साथ क्रिकेट खेल रहे थे। करीब 12 बजे मैच खत्म होने के बाद 17 वर्षीय प्रिंस पिता सत्यनारायण खटीक, हेमेंद्र (16) व उसका छोटा भाई लोकेंद्र (14) पिता रघुवीर दमामी पानी में नहाने के लिए उतर गए। इस दौरान गहरे पानी में जाने से तीनों डूब गए। घटना की जानकारी मिलने पर एसडीएम और थाना प्रभारी मौके पहुंचे और रेस्क्यू टीम के साथ तीनों बच्चों के शव को बाहर निकालने का प्रयास किया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद दो बच्चों के शव पानी से निकाले जा सके। उसके आधे घंटे बाद तीसरे बच्चे का शव भी बाहर निकाल लिया गया। तीनों बच्चों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी।

पुलिस ने बताया कि मृतकों में हेमेंद्र और लोकेंद्र दोनों सगे भाई थे, जो कक्षा दसवीं व नवीं में पढ़ते थे। उनके पिता रघुवीर दमामी आटे की चक्की चलाते हैं। इनके परिवार में दोनों भाइयों के जाने के बाद सिर्फ बड़ी बहन बची है। वहीं प्रिंस दसवीं कक्षा का छात्र था। पिता सत्यनारायण खटीक टैंपो चालक हैं। परिवार में प्रिंस सबसे छोटा था, जिसकी मौत के बाद परिवार में बड़ा भाई और बड़ी बहन है। तीनों बच्चों की मौत की खबर से पूरे गांव ने सनसनी फेल गई।

पीटीआई भर्ती 2018 में फर्जी डिग्रियों से नौकरी पाने का मामला सामने आया

डूंगरपुर, (निसं)। जिले की कोतवाली थाना पुलिस ने छह पीटीआई के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया है। शारीरिक शिक्षक पीटीआई भर्ती 2018 में फर्जी डिग्रियों से सरकारी नौकरी पाने का मामला सामने आया है। बेरोजगार संघ बांसवाड़ा की ओर से आईजी बांसवाड़ा को दिए गए परिवाद की जांच के बाद डूंगरपुर जिले की कोतवाली थाना पुलिस ने 6 पीटीआई के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी है।

कोतवाली थानाधिकारी भगवान मेघवाल ने बताया कि सभी बेरोजगार संघ बांसवाड़ा की ओर से आईजी बांसवाड़ा को एक परिवाद दिया गया था। आईजी ने ये परिवाद डूंगरपुर एसपी को भेजा था। जिसमें पीटीआई भर्ती 2018 में डूंगरपुर जिले के अलग-अलग गांवों के 14 अभ्यर्थियों पर फर्जी डिग्री से पीटीआई बनने के आरोप लगाए थे। परिवाद की जांच डूंगरपुर एडिशनल एसपी ने जांच की थी। भेमई निवासी भूपेश पाटीदार, जयेश पाटीदार, घाटा का गांव निवासी सुधीर पाटीदार और सेमलिया घाटा निवासी नीरज पाटीदार फर्जी डिग्री वाले पाए गए। डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा की डिग्रिया फर्जी निकली। वहीं गडाजसराजपुर निवासी शिल्पा पाटीदार और दिलीप पाटीदार की डिग्रियों के बारे में अभी तक सम्बंधित विश्वविद्यालयों ने रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं करवाया है। इधर डूंगरपुर एडिशनल एसपी की जांच रिपोर्ट के बाद डूंगरपुर कोतवाली थाना पुलिस ने सभी 6 अभ्यार्थियों के खिलाफ अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज किया है। परिवाद में पीटीआई के अलावा पटवारी, रीट और लाइब्रेरियन भर्ती में भी फर्जी डिग्री से नौकरी पाने के आरोप लगाए हैं। पुलिस सभी मामलों की अलग से जांच में जुटी है।

भारत सरकार, रेल मंत्रालय
रेलवे भर्ती बोर्ड

केन्द्रीयकृत रोजगार सूचना (सीईएन) CEN संख्या 05/2024

सांकेतिक सूचना

गैर तकनीकी लोकप्रिय कोटियाँ (स्नातक) के विभिन्न पदों के लिए भर्ती

नीचे दी गई तालिका में दिए गए विभिन्न कोटियों के पदों के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 13.10.2024 है । **सभी प्रकार से पूर्ण आवेदन केवल ऑनलाइन जमा किए जाने चाहिए।**

आवेदन प्रारंभ होने की तिथि: 14.09.2024
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि: 13.10.2024 23.59 PM

पदों के नाम	7वें सीपीसी में वेतन स्तर	प्रारंभिक वेतन (₹)	चिकित्सा मानक	आयु (01.01.2025 को)*	कुल अनुमानित रिक्तियां (सभी रेलवे भर्ती बोर्ड)
मुख्य वाणिज्यिक सह टिकट पर्यवेक्षक, स्टेशन मास्टर	स्तर-6	35400	विस्तृत सीईएन में अनुलग्नक-A देखें	18-36 वर्ष	2730
मालगाड़ी प्रबंधक, कनिष्ठ लेखा सहायक सह टंकक, वरिष्ठ लिपिक सह टंकक	स्तर-5	29200			5383
				कुल (सभी रे.भे.बो.):	8113

* इसमें कोविड 19 महामारी के कारण केवल एक बार लागू निर्धारित ऊपरी आयु सीमा में 3 वर्ष की छूट शामिल हैं। अधिक जानकारी के लिए, कृपया नीचे सूचीबद्ध सभी भाग लेने वाले रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) की आधिकारिक वेबसाइटों पर उपलब्ध विस्तृत केन्द्रीयकृत रोजगार सूचना (सीईएन) संख्या 05/2024 देखें।

आरआरबी	वेबसाइट का पता	आरआरबी	वेबसाइट का पता
अहमदाबाद	www.rrbahmedabad.gov.in	कोलकत्ता	www.rrbkolkata.gov.in
अजमेर	www.rrbajmer.gov.in	मालदा	www.rrbmalda.gov.in
बेंगलुरू	www.rrbbnc.gov.in	मुंबई	www.rrbmumbai.gov.in
भोपाल	www.rrbbhopal.gov.in	मुजफ्फरपुर	www.rrbmuzaffarpur.gov.in
भुवनेश्वर	www.rrbbbs.gov.in	पटना	www.rrbpatna.gov.in
बिलासपुर	www.rrbbilaspur.gov.in	प्रयागराज	www.rrbald.gov.in
चंडीगढ़	www.rrbcdg.gov.in	रांची	www.rrbranchi.gov.in
चेन्नई	www.rrbchennai.gov.in	सिकंदराबाद	www.rrbsecunderabad.gov.in
गोरखपुर	www.rrbgkp.gov.in	सिलीगुड़ी	www.rrbsiliguri.gov.in
गुवाहाटी	www.rrbguwahati.gov.in	तिरूवनंतपुरम	www.rrbthiruvananthapuram.gov.in
जम्मू-श्रीनगर	www.rrbjammu.nic.in	***	****

यह अधिसूचना पूर्णत सांकेतिक है। उम्मीदवारों को ऑनलाइन माध्यम से आवेदन करने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत सीईएन 05/2024 देखना आवश्यक है। उपरोक्त भर्ती से संबंधित कोई भी शुद्धिपत्र/ परिशिष्ट/महत्वपूर्ण सूचना समय-समय पर केवल रेलवे भर्ती बोर्ड की उपरोक्त वेबसाइटों पर जारी की जाएगी।।

संख्या: RRB/All/Advt./CEN-05/2024
दिनांक: 14.09.2024

अध्यक्ष
रेलवे भर्ती बोर्ड

दलालों, बिचौलियों और नौकरी का झांसा देने वालों से सावधान रहें।